

भारत के राजपत्र असाधारण के भाग-I खंड-I में प्रकाशनार्थ

**फा. सं. 6/14/2026-डीजीटीआर
भारत सरकार
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग,
5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001**

दिनांक सितंबर, 2026

**प्रारंभिक जांच परिणाम
मामला सं. एडी(ओआई)-13/2026**

सेतु मामला आईडी-एडी/ओआई/014/2026

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "1-(3,5,5,6,8,8-हेक्सामिथाइल- 6,7 -डाइहाइड्रोनेप्थालीन-2-वाईएल) एथेनोन" के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच।

विषय-वस्तु

क.	मामले की पृष्ठभूमि	2
ख.	प्रक्रिया	3
ग.	विचाराधीन उत्पादन और समान वस्तु	7
	ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	7
	ग.2 घरेलू उद्योग के विचार	7
	ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	9
घ.	घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार	10
	घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	10
	घ.2 घरेलू उद्योग के विचार	10
	घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	11
ड.	गोपनीयता	13
	ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	13
	ड.2 घरेलू उद्योग के विचार	13
	ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	13
च.	सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन	14
	च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	14
	च.2 घरेलू उद्योग के विचार	14

	च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	15
	च.3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण	16
	च.3.2 निर्यात कीमत का निर्धारण	17
	च.3.3 पाटन मार्जिन	17
छ.	क्षति का मूल्यांकन और कारणात्मक संपर्क	18
	छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	18
	छ.2 घरेलू उद्योग के विचार	18
	छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	19
	छ.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव	20
	छ.3.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव	21
	छ.3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड	24
	छ.3.4 निष्कर्ष	28
	छ.3.5 गैर-आरोपण विश्लेषण	29
	छ.3.6 कारणात्मक संपर्क सिद्ध करने वाले कारक	30
	छ.3.7 क्षति मार्जिन की मात्रा	31
ज.	भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे	31
	ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार	31
	ज.2 घरेलू उद्योग के विचार	32
	ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच	33
झ.	अनंतिम निष्कर्ष और सिफारिश	35
ञ.	आगे की प्रक्रिया	38

फा.सं. 6/14/2026-डीजीटीआर - समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे 'अधिनियम' कहा गया है) और समय समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क(पाटित वस्तुओं की पहचान, मूल्यांकन और संग्रहण और उन पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे यहां आगे 'पाटनरोधी नियमावली' अथवा 'नियमावली' कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए दिनांक 19 मार्च, 2026 की जांच शुरुआत अधिसूचना संख्या 6/14/2026-डीजीटीआर के माध्यम से निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे "प्राधिकारी" कहा गया है) द्वारा संबद्ध जांच की शुरुआत करने पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से वर्तमान प्राथमिक जांच परिणाम दर्ज करते हैं।

क. मामले की पृष्ठभूमि

- जबकि, मेसर्स केवा फ्रेगरेंस प्राइवेट लिमिटेड (जिसे इसके बाद 'आवेदक' या 'घरेलू उद्योग' कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे यहां आगे "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल-6,7 -डाइहाइड्रोनेफ्थालीन- 2-

वाईएल) एथेनोन" (जिसे यहां आगे संबद्ध सामान' या 'विचाराधीन उत्पाद' या 'पीयूसी' कहा गया है) के आयात के संबंध में एक पाटनरोधी जांच शुरू करने और ऐसे आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया।

2. और जबकि, आवेदक ने आरोप लगाया कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, और संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया।
3. और जबकि, आवेदक द्वारा दायर विधिवत प्रमाणित आवेदन-पत्र के मद्देनजर संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और ऐसे पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क सिद्ध करते हुए प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाई जाए और घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार वर्तमान पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित जांच शुरुआत अधिसूचना सं. 6/14/2026-डीजीटीआर दिनांक 19 मार्च, 2026 द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

ख. प्रक्रिया

4. वर्तमान जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

ख.1 जांच की शुरुआत

- i. नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार, जांच शुरू करने से पहले, प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश की सरकार को उनके दूतावास के माध्यम से, वर्तमान पाटनरोधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के संबंध में अधिसूचित किया।
- ii. आवेदन-पत्र की जांच करने पर, प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के पाटन, घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति और पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क का प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाया। अतः, नियमावली के नियम 5 के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के संबंध में भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित जांच शुरुआत अधिसूचना संख्या संख्या 6/14/2026-डीजीटीआर दिनांक 19 मार्च, 2026 ('जांच शुरुआत अधिसूचना') द्वारा वर्तमान पाटनरोधी जांच शुरू की।

- iii. नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार, प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, भारत में संबद्ध देश के ज्ञात आयातकों और आवेदन-पत्र में उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रति साझा करके जांच की शुरुआत के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया।

ख.2 आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर का परिचालन

- i. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध देश की सरकार को भारत में उनके दूतावास के माध्यम से आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति, अनुरोध किए जाने पर, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई थी।

ख.3. संबद्ध देश के निर्यातकों और भारत के आयातकों/प्रयोक्ताओं की प्रतिभागिता

- i. नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार, प्राधिकारी ने जांच के उद्देश्य से सामान्य मूल्य और निवल निर्यात कीमत के बारे में सूचना मंगाने के लिए निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली जारी की:

क्र.सं.	संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों के नाम
1	फुजियान नानपिंग ग्रीनपाइन केमिकल कंपनी
2	जियाक्सिंग सनलॉग इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं. लिमिटेड
3	शेडोंग लकीसिया केमिकल कंपनी लिमिटेड
4	शंघाई लकीसिया केमिकल कंपनी लिमिटेड
5	तियानमेन देयुआन केमिकल टेक कंपनी लिमिटेड
6	जिंगडाओ बो-सिन इंटरनेशनल कं. लिमिटेड

- ii. किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर देकर वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक द्वारा या उसकी ओर से कोई अनुरोध दायर नहीं किए गए हैं।
- iii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावली भेजी:

क्र.सं.	आयातकों/प्रयोक्ताओं के नाम
1	अरिहंत ट्रेडिंग कंपनी

2	अर्पण एरोमैटिक्स
3	आशापुरा अरोमास प्राइवेट लिमिटेड
4	फ्रेगरेंस वर्ल्ड
5	इंटरनेशनल फ्लेवर्स एंड फ्रेगरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
6	कर्नाटक अरोमास
7	के. रसिकलाल एक्जिम प्रा. लिमिटेड
8	माने इंडिया प्रा. लिमिटेड
9	मैसूर डीप परफ्यूमरी हाउस
10	ओरिएंटल एरोमैटिक्स लिमिटेड
11	पी. पी. शेठ अरोमास प्रा. लिमिटेड
12	रॉजी फाइन फ्रेगरेंस प्राइवेट लिमिटेड
13	सिमराइस प्राइवेट लिमिटेड
14	यूनाइटेड मल्टीकेम एलएलपी

- iv. किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर दायर करके या अनुरोध दायर करके वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है।
- v. प्राधिकारी ने व्यापक अर्थव्यवस्था पर शुल्कों के प्रभाव और सार्वजनिक हित का आकलन करने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली (ईआईक्यू) जारी की। ईआईक्यू की एक प्रति रसायन और उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय और संबद्ध सामानों के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को जारी की गई थी। इस संबंध में घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

ख.4 जांच की अवधि और क्षति जांच की अवधि

- i. जैसा कि जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि ('पीओआई') 1 अक्टूबर 2024 - 30 सितंबर 2025 (12 महीने की अवधि) मानी गई थी। क्षति की जांच की अवधि 1 अप्रैल 2022 - 31 मार्च 2023, 1 अप्रैल 2023 - 31 मार्च 2024, 1 अप्रैल 2024 - 31 मार्च 2025 और जांच की अवधि को शामिल करने के लिए निर्धारित की गई थी।
- ii. डीजीसीआईएंडएस से क्षति की अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के लेनदेन-वार आयात आंकड़े प्राप्त करने के लिए अनुरोध किया गया था। आंकड़े प्राप्त हो गए थे और आवश्यक विश्लेषण के लिए उसी पर भरोसा किया गया है।

ख.5 आगे की प्रक्रिया

- i. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और 23 मार्च, 2026 की जांच शुरुआत अधिसूचना और जांच शुरुआत पत्र के 15 दिनों के भीतर पीसीएन पद्धति पर टिप्पणियां मांगीं। केवल घरेलू उद्योग ने इस संबंध में टिप्पणियां दायर कीं और किसी भी उत्पादक/निर्यातक, आयातक/प्रयोक्ता या अन्य हितबद्ध पक्षकार से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र या पीसीएन पद्धति पर कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई।
- ii. आवेदक का आधार और भारत में समान वस्तु के एकमात्र उत्पादक होने के उसके दावे को सत्यापित करने की दृष्टि से, प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के अन्य संभावित उत्पादकों को उनके उत्पादन, क्षमता, घरेलू बिक्री और आयात, यदि कोई हो, के बारे में सूचना मंगाते हुए पत्र भेजे। संबद्ध सामानों के निर्माण की पुष्टि करते हुए किसी भी ऐसे उत्पादक से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।
- iii. निर्धारित समय सीमा के भीतर खुद को पंजीकृत करने वाले सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर वेबसाइट/सेतु पोर्टल पर अपलोड की गई थी। किसी भी आयातक/निर्यातक/और प्रयोक्ता ने सेतु प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण नहीं किया।
- iv. नियमावली के नियम 7 के अनुसार, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, जहां भी आवश्यक हुआ, प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को अनंतिम रूप से स्वीकार किया, और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है।
- v. घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।
- vi. क्षतिरहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों और नियमावली के अनुबंध-III को ध्यान में रखते हुए, भारत में संबद्ध सामानों की इष्टतम उत्पादन लागत और निर्माण तथा बिक्री लागत के अनुसार निर्धारित की गई। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) अनंतिम रूप से परिचालित की ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

- vii. प्राधिकारी ने कार्यवाही के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों की, जहां तक वे साक्ष्य द्वारा समर्थित थे और वर्तमान जांच के लिए संगत माने गए थे, की अनंतिम रूप से जांच की।
- viii. '***' किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना दर्शाते हैं।
- ix. जांच की अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 86.76 रु. है, जो जांच की अवधि के दौरान लागू आयातित सामान के मूल्य के रूपांतरण के लिए सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के तहत केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों का औसत है। इसी दर को इस पूरे प्रारंभिक जांच परिणाम में लागू किया गया है।
(स्रोत: <https://foservices.icegate.gov.in/#/services/viewExchangeRate>)

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 5. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

- 6. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. विचाराधीन उत्पाद "1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल- 6,7 -डाइहाइड्रोनेथ्रालेन-2-वाईएल) एथेनोन" है, जिसका सीएस नंबर 21145-77-7 और 1506-02-1 है, और इसे विभिन्न ब्रांड नामों के तहत बेचा जाता है, जिनमें शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं, टोनैलाइड, टोनैलिड, मस्कोफ़िक्स, गैनोलिड, फिक्सोलाइड, एएचटीएन, मस्क एएचएमटी, अल्ट्रामस्क, लैनोलिड, मस्क टेट्रालाइन, डर्नालाइड, मिथाइल नोनील एसीटोफेनोन, केवोलिड, टेन्टरॉम और टेट्रालाइड।

ख. उत्पाद का रासायनिक सूत्र $C_{18}H_{26}O$ है और इसका आणविक भार 258.40 जी/मोल है। यह एक सिंथेटिक पॉलीसाइक्लिक मस्क यौगिक है, जिसे रासायनिक रूप से टेट्रालिन कीटोन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

ग. उत्पाद का उपयोग सुगंध में बेस नोट फिक्सेटिव और वॉल्यूम एन्हांसर के रूप में किया जाता है। इसका व्यापक रूप से मस्कुलिन फग्रासेस (विशेषकर फौगेर),

पाउडर-मस्क बेस मिश्रणों, अन्य पॉलीसाइक्लिक मस्क (पीसीएम) या नाइट्रोमस्क के साथ लेयरिंग में, और कपड़े को नरम करने वाले, दुर्गन्धनाशक और साबुन जैसे कार्यात्मक इत्र में उपयोग किया जाता है।

- घ. उत्पाद का उत्पादन और बिक्री वजन के आधार पर किया जाता है और इसे किलोग्राम (केजी)/मीट्रिक टन (एमटी) के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- ड. चूँकि उत्पाद को विभिन्न ब्रांड नामों से वर्णित किया जा सकता है, इसलिए ब्रांड नाम तक सीमित विवरण से रीब्रांडिंग के द्वारा शुल्क की चोरी की संभावना हो सकती है। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने अपने पत्र दिनांक 17 मार्च, 2026 के माध्यम से अनुरोध किया कि विचाराधीन उत्पाद को उसके रासायनिक नाम, सीएस नंबर, सूत्र और आणविक भार के साथ-साथ उदाहरण ब्रांड नामों द्वारा वर्णित किया जाए, ताकि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र स्पष्ट हो और इच्छित उपाय प्रभावी हो। आवेदक ने स्पष्ट किया कि विवरण का उक्त स्पष्टीकरण आवेदन-पत्र में प्रस्तुत किसी भी आंकड़ों/सूचना को प्रभावित नहीं करता है।
- च. संबद्ध सामानों को सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के अध्याय 29 - 'कार्बनिक रसायन' के तहत प्रशुल्क मद 2914 3990 के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। संबद्ध सामानों पर लागू मूल सीमा शुल्क 7.5% है।
- छ. वर्तमान मामले में किसी पीसीएम पद्धति को अपनाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उत्पाद का उत्पादन या व्यापार अलग-अलग ग्रेड, रूपों या विनिर्देशनों में नहीं किया जाता है, जिनकी लागत और मूल्य में काफी भिन्नता होती है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल- 6,7 - डाइहाइड्रोनेथ्रालेन- 2-वाईएल) एथेनोने" है, जिसका सीएस नंबर 21145-77-7 और 1506-02-1 है, और आमतौर पर विभिन्न ब्रांड नामों जैसे टोनैलाइड, टोनैलिड, मस्कोफिक्स, गैनोलिड, फिक्सोलाइड, एएचटीएन, मस्क एएचएमटी, अल्ट्रामस्क, लैनोलिड, मस्क टेट्रालीन, डेर्नालाइड, मिथाइल नोनील एसीटोफेनोन, केवोलिड, टेंटारोम और टेट्रालाइड के रूप में बेचा जाता है। यह एक सिंथेटिक पॉलीसाइक्लिक मस्क यौगिक (एक टेट्रालीन कीटोन) है जिसका रासायनिक सूत्र $C_{18}H_{26}O$ है और आणविक भार 258.40 जी/मोल है,

जिसका प्रयोग सुगंध और कार्यात्मक इत्र में बेस नोट फिक्सेटिव और वॉल्यूम एन्हांसर के रूप में किया जाता है।

8. विचाराधीन उत्पाद को सीमा प्रशुल्क अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय 29 के तहत प्रशुल्क मद 2914 3990 के अंतर्गत 'कार्बनिक रसायन' शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
9. यह नोट किया जाता है कि इसके अनुप्रयोग में घरेलू उद्योग द्वारा कोई पीसीएन पद्धति प्रस्तावित नहीं की गई थी। दिनांक 19 मार्च, 2026 की जांच शुरुआत अधिसूचना और दिनांक 23 मार्च, 2026 के सूचना पत्र के द्वारा प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और पीसीएन पद्धति पर टिप्पणियां मंगाई थीं। केवल घरेलू उद्योग ने टिप्पणियां दर्ज कीं, जिसमें यह दोहराया गया कि चूंकि उत्पाद अलग-अलग ग्रेड/रूपों में उत्पादित या बेचे नहीं जाते हैं, जिनकी लागत और कीमतें काफी भिन्न हैं और कोई पीसीएन पद्धति आवश्यक नहीं है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने पीसीएन पद्धति का प्रस्ताव करते हुए या विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का विरोध करते हुए कोई टिप्पणी दायर नहीं की। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि वर्तमान जांच के इस चरण में किसी पीसीएन पद्धति को अपनाने की आवश्यकता नहीं है।
10. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद वही है जिसे 19 मार्च, 2026 की जांच शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित किया गया था और वह इस प्रकार है:

“विचाराधीन उत्पाद 1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल- 6,7 -डाइहाइड्रोनेथ्रालेन- 2-वाइएल) एथेनोन है, जिसका सीएस नंबर 21145-77-7 और 1506-02-1 है, और इसे टोनालाइड, टोनोलिड, मस्कॉफिक्स, गैनोलिड, फिक्सोलाइड, एएचटीएन, मस्क एएचएमटी, अल्ट्रामस्क, लैनोलिड, मस्क टेट्रालीन, डैर्नालाइड, मिथाइल नोनील एसिटोफेनोन, केवोलिड, टेन्टरॉम, टेट्रालाइड सहित विभिन्न ब्रांड नामों के तहत बेचा जाता है। उत्पाद का रासायनिक सूत्र $C_{18}H_{26}O$ है। उत्पाद का आणविक भार 258.40 जी/मोल है। विचाराधीन उत्पाद एक सिंथेटिक पॉलीसाइक्लिक मस्क यौगिक है, जिसे रासायनिक रूप से टेट्रालीन कीटोन के रूप में वर्गीकृत किया गया है”

11. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों और संबद्ध देश से आयातित सामानों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान और संबद्ध

देश से आयातित सामान तकनीकी विनिर्देशनों, भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों और प्रयोगों, कीमत निर्धारण और वितरण और विपणन के संदर्भ में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किए जाते हैं। उपभोक्ताओं ने दोनों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग किया है और कर रहे हैं। अतः, प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अभिप्राय से आयातित संबद्ध सामानों की 'समान वस्तु' हैं।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

13. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - क. मेसर्स केवा फ्रेगरेस प्राइवेट लिमिटेड भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है और उसका समान वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन में 100% है।
 - ख. आवेदक जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के किसी निर्यातक या भारत में संबद्ध सामानों के किसी आयातक से संबद्ध नहीं है।
 - ग. आवेदक, मेसर्स एसएच केलकर एंड कंपनी लिमिटेड की मूल कंपनी ने 2018 में संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के एक निर्माता, मेसर्स अनहुई रुइबांग अरोमा कंपनी लिमिटेड का अधिग्रहण किया था। तथापि, उक्त कंपनी ने 2022 में विनिर्माण और बिक्री प्रचालन बंद कर दिया, और तब से संबद्ध सामान उसके संयंत्र में निर्मित नहीं किए गए हैं। तदनुसार, जांच की अवधि के दौरान, आवेदक संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के किसी भी निर्यातक से संबद्ध नहीं था।
 - घ. आवेदक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया। जांच की अवधि से पूर्व उसने गैर-संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों की छोटी मात्रा का आयात किया, जो या तो स्वयं उत्पादित सामग्री के पुनः आयात थे या संबंधित संयंत्र में प्रचालन बंद होने पर मालसूची की निकासी के

लिए संबद्ध पक्षकारों से आयात थे। आवेदक ने भारत में असंबद्ध व्यापारियों से संबद्ध सामानों की एक छोटी मात्रा भी खरीदी, जिसमें से एक छोटी मात्रा को जांच की अवधि के दौरान इसकी मूल कंपनी को फिर से बेचा गया था।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में “ घरेलू उद्योग” निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:
“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”
15. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि आवेदन-पत्र मेसर्स केवा फ्रेगरेसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जिसने भारत में समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का 100% हिस्सा होने के कारण, संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है।
16. आवेदक ने अनुरोध किया है कि वह जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के निर्यातक या संबद्ध सामानों के आयातक से संबद्ध नहीं था। यह नोट किया जाता है कि आवेदक की मूल कंपनी, एसएच केलकर एंड कंपनी लिमिटेड ने संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के एक निर्माता, अर्थात् अनहुई रुइबांग अरोमा कंपनी लिमिटेड का अधिग्रहण किया। तथापि, कंपनी ने इसके तुरंत बाद और जांच की अवधि से पहले विनिर्माण और बिक्री प्रचालन बंद कर दिया है। तब से, संबद्ध पक्षकार के संयंत्र में संबद्ध सामानों का निर्माण नहीं किया गया है। इस प्रकार, जांच की अवधि के दौरान, आवेदक संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के किसी निर्यातक से संबद्ध नहीं था।
17. आवेदक ने दावा किया है कि उसने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है। आवेदक ने अनुरोध किया है कि उसने जांच की अवधि से पहले संबद्ध देश के साथ-साथ गैर-संबद्ध देश में अपने संबद्ध पक्षकार से स्टॉक निकासी के सीमित उद्देश्य के लिए संबद्ध सामानों का आयात किया था क्योंकि

संयंत्र बंद हो गया था। इसके अलावा, आवेदक ने जांच की अवधि से पहले एक गैर-संबद्ध देश से कुछ अस्वीकृत सामग्री को फिर से आयात किया।

18. इसके अतिरिक्त, आवेदक ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने जांच की अवधि के दौरान भारत में असंबंधित व्यापारियों से *** मीट्रिक टन सामग्री खरीदी थी। खरीदे गए सामान की आवश्यकता उसकी मूल कंपनी को आपूर्ति के लिए थी जो अपने सुगंध उत्पादन संयंत्र के लिए विषय वस्तुओं का भी उपयोग करती है। खरीदी गई कुल सामग्री में से, *** एमटी को जांच की अवधि से पहले मूल कंपनी को हस्तांतरित कर दिया गया था, जबकि *** एमटी को जांच की अवधि के दौरान हस्तांतरित कर दिया गया था। शेष *** एमटी को जांच की अवधि से पहले घरेलू बाजार में पुनःबिक्री किया गया था।

19. यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान, आवेदक ने खरीदे गए उत्पाद के *** एमटी को अपनी मूल कंपनी को फिर से बेच दिया है। इस तरह की पुनःबिक्री मात्रा बहुत कम मात्रा में है, और देश में कुल मांग के संबंध में केवल 0-5% और देश में कुल उत्पादन के संबंध में 0-5% थी।

विवरण	पीओआई
खरीद की मात्रा (एमटी)	***
भारत में मांग	***
भारत में उत्पादन	***
संबद्ध आयात	233
मांग के संबंध में आयात	0-5%
उत्पादन के संबंध में आयात	0-5%

20. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी अनंतिम रूप से मानते हैं कि आवेदक का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 100% है और समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात है। तदनुसार, आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से 'घरेलू उद्योग' है, और आवेदन-पत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार की अपेक्षा को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

21. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

22. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि उसने अपने आवेदन-पत्र और अन्य अनुरोधों का एक सार्थक अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत किया है, जिसमें गोपनीय सूचना को पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 और प्राधिकारी के लागू व्यापार सूचना के संदर्भ में अनुक्रमित या संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है, और गोपनीय होने का दावा की गई सूचना प्रकृति में व्यावसायिक-संवेदनशील है, सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं है, और इसका प्रकटन आवेदक के हितों पर गंभीर पूर्वाग्रह होगा।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

23. सूचना की गोपनीयता के संबंध में नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

“(1) नियम 6 के उप नियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

24. गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की जांच की गई। प्राधिकारी अनंतिम रूप से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता के दावे, प्रथम दृष्टया, व्यवसाय-संवेदनशील सूचना के संबंध में हैं, जिनके

प्रकटन से इसे प्रदान करने वाले पक्षकार के प्रति गंभीर पूर्वाग्रह होने की संभावना है, या प्रकृति से गोपनीय है। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को अनंतिम रूप से स्वीकार किया है, और वह सूचना गोपनीय रखी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

25. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है, और संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का उत्तर नहीं दिया है या दावा नहीं किया है।

च.2 घरेलू उद्योग के विचार

26. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. संबद्ध देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों को यह दर्शाने करने के लिए कहा जाना चाहिए कि विचारधीन उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद के निर्माण के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति प्रबल है।
- ख. जब तक कि संबद्ध देश के उत्पादक ऐसा न दर्शाएं, उनके सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ग. किसी तीसरे देश में लागत या कीमत के बारे में सूचना के अभाव में, भारत में देय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
- घ. अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर किया जाएगा, या ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत, जहां यह संभव नहीं है, किसी अन्य उचित आधार पर, जिसमें उचित मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में भुगतान की गई या देय कीमत भी शामिल, के आधार पर किया जाएगा।

- ड. घरेलू उद्योग ने उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध सामानों की प्रचलित कीमतों को प्राप्त करने का प्रयास किया, साथ ही ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों में संबद्ध सामानों के निर्यात की कीमत को भी प्राप्त करने का प्रयास किया। हालाँकि, संबद्ध सामानों के लिए समर्पित टैरिफ लाइन के अभाव में, यह ऐसी सूचना का कोई विश्वसनीय स्रोत खोजने में सक्षम नहीं था। तदनुसार, चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य भारत में देय कीमत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है, अर्थात्, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के लिए भारत में उत्पादन की लागत, उचित लाभ के साथ समायोजित की जाएगी।
- च. निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस लेनदेन-वार आंकड़ों में बताए गए संबद्ध सामानों के सीआईएफ कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए, जिसे समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, बैंक शुल्क, बंदरगाह व्यय और निर्यात कीमत के लिए क्रेडिट लागत को समायोजित किया जाना चाहिए, ताकि कारखानागत निर्यात कीमत निकाली जा सके।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

27. अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में 'सामान्य मूल्य' का अर्थ निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए अभिप्रेत समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य क्रम में तुलनीय कीमत है; या, जब निर्यात करने वाले देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य क्रम में समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं होती है, या जब विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री उचित तुलना की अनुमति नहीं देती है, तो निर्यात करने वाले देश या क्षेत्र से निर्यात की जाने वाली समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत, या प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों के लिए उचित अतिरिक्त के साथ मूल देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, और इसके लिए लाभ जोड़कर किया जाएगा।
28. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर या अन्यथा सहयोग नहीं किया है। तदनुसार, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निर्धारित की गई है।

च.3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

29. इस जांच के प्रयोजन के लिए, संबद्ध देश को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश माना गया है। चीन में डब्ल्यूटीओ अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 और 8 के प्रावधानों के अनुसार, संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में यह दर्शाना अपेक्षित है कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति प्रबल है। चूंकि संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का उत्तर नहीं दिया है या दावा नहीं किया है, इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करने की आवश्यकता है, जो इस प्रकार है:

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में, सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों में कीमत के आधार पर किया जाएगा या जहां यह संभव नहीं है, उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए यदि आवश्यक हो, तो समान उत्पाद विधिवत समायोजित करने के लिए भारत में वास्तव में प्रदत्त या देय कीमत सहित, किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया जाएगा। कोई उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन उपयुक्त तरीके से निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा”

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने किसी उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उत्पाद की घरेलू कीमत, निर्मित मूल्य या निर्यात कीमत के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है। चूंकि न तो घरेलू उद्योग और न ही किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई सत्यापन योग्य सूचना प्रदान की है, इसलिए उस आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सका।
31. तदनुसार, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के संदर्भ में, भारत में समान वस्तु के लिए देय कीमत के आधार पर संबद्ध देश के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य का निर्माण भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन की लागत के आधार पर किया गया है, जो बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के साथ-साथ उचित लाभ के लिए समायोजित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य को नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

च.3.2 निर्यात कीमत का निर्धारण

32. चूंकि संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है, इसलिए निर्यात कीमत को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण संबद्ध देश से आयातित सामानों की सीआईएफ कीमत को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जैसा कि डीजीसीआईएंडएस लेनदेन-वार आयात आंकड़ों में बताया गया है। समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, बैंक शुल्क, बंदरगाह व्यय और क्रेडिट लागत के निमित्त समायोजन किए गए हैं, ताकि कारखानागत (निवल) निर्यात कीमत निकाली जा सके। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

च.3.3 पाटन मार्जिन

33. कारखानागत स्तर पर और उसी अवधि से संबंधित उपर्युक्त निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन को अनंतिम रूप से निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया गया है। यह देखा जाता है कि पाटन मार्जिन न केवल सकारात्मक है, बल्कि काफी और न्यूनतम स्तर से ऊपर भी है।

विवरण	सामान्य मूल्य*	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
	(यूएसडा./एमटी)	(यूएसडा./एमटी)	(यूएसडा./एमटी)	%	रेंज
संबद्ध देश से कोई भी उत्पादक	***	***	***	***	30-40

क्षति का मूल्यांकन और कारणात्मक संपर्क

छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

34. क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं।

छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

35. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. क्षति की अवधि में भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में और निरपेक्ष रूप से दोनों ही तरह से संबद्ध आयात की मात्रा में काफी वृद्धि हुई।

- ख. मांग-आपूर्ति के बीच अंतर न होने और घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण भारतीय मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद, इस अवधि में आयात की मात्रा में वृद्धि हुई।
- ग. यद्यपि क्षति की अवधि में मांग 231% बढ़ गई, तथापि, संबद्ध आयातों में मांग की वृद्धि से काफी उच्च दर पर 426% तक वृद्धि हुई।
- घ. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हुई है और घरेलू उद्योग की कीमतों पर न्यूनीकरण/हासमान प्रभाव पड़ा था, जिससे उसे अपने उत्पादन लागत से कम पर बिक्री के लिए मजबूर होना पड़ा था।
- ङ. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई, जबकि घरेलू उद्योग के पास काफी बेकार क्षमता होने के बावजूद, संबद्ध आयात की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई।
- च. घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि के दौरान काफी वित्तीय हानियां और नकद हानियां हुई हैं, जो जांच की अवधि में अत्यधिक बढ़ गई थी।
- छ. वर्तमान कीमतों को देखते हुए, घरेलू उद्योग यहां तक कि ब्रेक ईवन की स्थिति में भी नहीं है और ब्रेक ईवन के लिए अपनी वर्तमान क्षमता से अधिक बेचना होगा।
- ज. घरेलू उद्योग ने नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय अर्जित की।
- झ. संबद्ध आयात ने पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता को प्रभावित किया है।
- ञ. बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग के पास काफी मालसूची थी।
- ट. कच्चे माल की लगातार आपूर्ति और मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता हासिल करने के बावजूद, घरेलू उद्योग ने अपनी आधी क्षमता का उपयोग करना जारी रखा।
- ठ. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- ड. किसी अन्य कारक ने घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचाई है, और इस तरह की क्षति केवल संबद्ध आयात के कारण हुई है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

36. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।
37. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में किए गए तर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा किए गए विश्लेषण में जांच के दौरान किए गए विभिन्न अनुरोधों को नीचे हल किया गया है।

छ.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क. मांग/स्पष्ट खपत का मूल्यांकन

38. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए, भारत में संबद्ध सामानों की मांग या स्पष्ट खपत का आकलन घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में किया गया है। इस प्रकार आकलित मांग नीचे दी गई तालिका में दी गई है।

मांग का आकलन

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
कैप्टिव खपत को छोड़कर					
घरेलू उद्योग	एमटी- प्रवृत्ति	100	108	199	237
संबद्ध देश से आयात	एमटी	55	131	320	233
अन्य आयात	एमटी	-	9	-	-

कुल मांग (कैप्टिव को छोड़कर)	एमटी-प्रवृत्ति	100	147	300	287
कैप्टिव खपत सहित					
घरेलू उद्योग	एमटी-प्रवृत्ति	100	108	199	237
कैप्टिव खपत	एमटी-प्रवृत्ति	100	20	6	81
संबद्ध देश से आयात	एमटी	55	131	320	233
अन्य आयात	एमटी	-	9	-	-
कुल मांग (कैप्टिव को छोड़कर)	एमटी-प्रवृत्ति	100	112	220	231

39. यह देखा जाता है कि संबद्ध सामानों (कैप्टिव खपत सहित) की मांग क्षति की अवधि में लगातार बढ़ी और जांच की अवधि के दौरान सबसे अधिक थी, जो आधार वर्ष में *** एमटी से बढ़कर जांच की अवधि में *** एमटी हो गई। कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग में भी क्षति की अवधि में काफी वृद्धि हुई।

ख. पूर्ण और सापेक्ष दृष्टि से आयात की मात्रा

40. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में या तो पूर्ण दृष्टि से या भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में काफी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा नीचे दी गई है।

पूर्ण और सापेक्ष दृष्टि से आयात

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
संबद्ध आयात	एमटी	55	131	320	233
अन्य आयात	एमटी	-	9	-	-
कुल आयात	एमटी	55	140	320	233
निम्नलिखित के संबंध में आयात					
भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***

प्रवृत्ति		100	272	340	203
भारतीय खपत(कैप्टिव को छोड़कर)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	163	195	149
कुल आयात	%	100	94	100	100
प्रवृत्ति		100	94	100	100

मांग की तुलना में आयातों में वृद्धि

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
संबद्ध आयात	एमटी	55	131	320	233
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	239	584	426
मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	220	231

41. उपरोक्त से, प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि संबद्ध आयात क्षति की अवधि में जांच की अवधि में 233 एमटी तक होने से पूर्व आधार वर्ष में 55 एमटी से बढ़कर 2024-25 में 320 एमटी हो गई। संबद्ध आयात भारत में संबद्ध सामानों के आयात के लगभग संपूर्ण भाग के लिए है। भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध आयात में भी काफी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि क्षति की अवधि में, जबकि मांग 231 सूचकांक तक बढ़ गई, संबद्ध आयात 426 सूचकांक तक अर्थात्, देश में किसी भी मांग-आपूर्ति अंतर न होने के बावजूद, मांग में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक दर बनी रही।

छ.3.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

42. कीमतों पर पाटित आयातों के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (ii) के अनुसार प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत को समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों को अन्यथा कम करना है या कीमत वृद्धि रोकता है, जो अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती।

क. कीमत कटौती

43. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती कर रहे हैं, संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच की अवधि में घरेलू उद्योग

की निवल बिक्री कीमत से की गई है। इस प्रकार निर्धारित कीमत कटौती नीचे दी गई है।

कीमत कटौती

विवरण	यूनिट	मूल्य
आयात मात्रा	एमटी	233
पहुंच कीमत	रु./एमटी	10,44,174
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./एमटी	***
कीमत कटौती	रु./एमटी	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती रेंज	%	0-10

44. यह नोट किया जाता है कि, जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम थी और संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहे थे। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह अपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के प्रयास में जांच की अवधि में अपनी कीमतों को काफी कम करने के लिए मजबूर था; ऐसी कमी के बावजूद, कीमत कटौती सकारात्मक बनी रही।

ख. कीमत हास/न्यूनीकरण

45. कीमत हास और न्यूनीकरण की जांच के प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध आयात के पहुंच मूल्य के साथ निम्नलिखित रूप में की है। आवेदक ने 2022-23 के दौरान अनुरोध किया है, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण प्रमुख कच्चे माल की कीमत काफी विकृत थी। साथ ही, कच्चे माल की सीमित आपूर्ति के कारण, आवेदक का संयंत्र कम उपयोग में था, जिसके परिणामस्वरूप बहुत अधिक निश्चित लागत थी। ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियों को देखते हुए और ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को अलग करने के लिए, आवेदक ने क्षति की अवधि में उच्चतम उपयोग को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन लागत को सामान्य करके 2022-23 के लिए लागत को समायोजित किया है। वर्तमान उद्देश्य के लिए इसे ही माना गया है।

कीमत हास/न्यूनीकरण

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	90	95
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	102	95
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	11,13,494	11,35,179	10,58,702	10,44,174
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	95	94

46. उपरोक्त से, प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत क्षति की अवधि में घट गई और पूरी क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम रही। कम कीमत वाले आयात का सामना करते हुए, घरेलू उद्योग अपनी निवल बिक्री प्राप्ति को कम/बनाए रखने के लिए विवश था, भले ही वह पहले से ही अपनी बिक्री लागत से कम बेच रहा था और अपनी लागतों की वसूली के लिए अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सकता था। 2023-24 में, घरेलू उद्योग की लागत में मामूली गिरावट आई। हालाँकि, जैसे-जैसे पहुंच कीमत में भी मामूली वृद्धि हुई, घरेलू उद्योग ने अपनी कीमत बढ़ा दी। 2024-25 में, घरेलू उद्योग की लागत में और गिरावट आई। पहुंच कीमत में गिरावट के अनुरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी गिरावट आई। जांच की अवधि में, बिक्री की लागत बढ़ने के बावजूद, घरेलू उद्योग ने आयात की कीमतों में गिरावट और बढ़ते आयात के कारण अपनी निवल बिक्री प्राप्ति में काफी कमी की। इस प्रकार आयात का घरेलू उद्योग की कीमतों पर न्यूनीकरण प्रभाव पड़ा है।

छ.3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

47. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और तत्वों का एक वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों की जांच नीचे की गई है।

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

48. क्षति की अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था।

उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
संस्थापित क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन(पीयूसी)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	172	209
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	172	209
घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	199	237
निर्यात बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	137	125

49. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमता क्षति की अवधि में स्थिर रही। मांग में वृद्धि के अनुरूप, घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई, घरेलू उद्योग की क्षमता का एक काफी हिस्सा (जांच की अवधि में लगभग 47%) अप्रयुक्त रहा, इसके बावजूद कि देश में पर्याप्त मांग और कोई मांग-आपूर्ति अंतर नहीं था।

ख. बाजार हिस्सा

50. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के बाजार हिस्सेदारी पर पाटित आयातों के प्रभाव की अस्थायी रूप से जांच की है, और विषय देश और अन्य देशों से आयात के तहत।

बाजार हिस्सा (कैप्टिव को छोड़कर मांग में)

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	66	83
संबद्ध आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	74	66	83
अन्य आयात	%	-	3	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध		100		

51. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी आधार वर्ष में 74% से घटकर 2024-25 में 49% हो गई, जबकि इसी अवधि में संबद्ध आयात की बाजार हिस्सेदारी 26% से बढ़कर 51% हो गई। तथापि घरेलू उद्योग जांच की अवधि में अपनी बाजार हिस्सेदारी को आंशिक रूप से पुनः प्राप्त करने में सक्षम था, लेकिन यह केवल अपनी कीमतों को काफी कम करके और बिक्री की लागत से कम बेचकर ऐसा कर सका, जिससे उसे बड़ी हुई हानियां उठानी पड़ी। जब क्षति की अवधि में देखा जाए, तो संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ गई, जबकि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी घट गई, घरेलू उद्योग के पास काफी बेकार क्षमता और उत्पाद के उत्पादन और बिक्री में कोई अन्य बाधा नहीं थी।

ग. मालसूची

52. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग में मालसूची नीचे दी गई तालिका में दी गई है।

मालसूची

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
प्रारंभिक मालसूची	एमटी	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	एमटी	***	***	***	***
औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	21	111	200

53. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में क्षति की अवधि में काफी वृद्धि हुई, क्योंकि संबद्ध आयात ने घरेलू उद्योग के बाजार को छीन लिया।

घ. लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय

54. लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की गई है।

लाभप्रदता मापदंड

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	90	95

निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	102	95
लाभ / (हानि)	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(77)	(50)	(94)
लाभ / (हानि)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(83)	(99)	(222)
नकद लाभ / (हानि)	लाख रु.	***	***	***	***
हानि	सूचीबद्ध	(100)	(56)	(67)	(206)
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(75)	(81)	(155)

55. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि के दौरान वित्तीय हानियां हुईं, जो जांच की अवधि में अत्यधिक हो गई थी। घरेलू उद्योग कम कीमत वाले पाटित आयातों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी क्षति अवधि में अपनी बिक्री लागतों से कम पर बिक्री कर रहा था। उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद, क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की हानियां बढ़ी। घरेलू उद्योग की नकद हानियां भी काफी बढ़ी और घरेलू उद्योग ने पूरी क्षति अवधि में नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय अर्जित की, जो जांच की अवधि में काफी कम हो गई।

ड. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

56. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता नीचे दी गई तालिका में दी गई है:

रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

विवरण	यूनिट	2022-23	2023-24	2024-25	पीओआई
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	91	113	120
वेतन एवं मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	87	137	159
प्रति दिन उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	88	172	209

प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	96	152	175

57. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान किए गए कर्मचारियों की संख्या और वेतन में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई है, और उत्पादन में वृद्धि के साथ उत्पादकता भी बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने इस आधार पर क्षति का दावा नहीं किया है।

च. वृद्धि

58. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि यद्यपि घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंड (उत्पादन और घरेलू बिक्री) में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग की कीमत और लाभप्रदता मापदंडों में काफी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग संबद्ध आयात की कम पहुंच कीमत के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बिक्री की लागत से कम पर बेच रहा था, जिसके परिणामस्वरूप काफी हानियां, नकद हानियां और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय हुई। इस प्रकार, इसकी कीमत और लाभप्रदता मापदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक थी।

छ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

59. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति की अवधि में हानियां, नकद हानियां और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय हुई है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह अपने ऋण दायित्वों को पूरा करने की स्थिति में नहीं है और मौजूदा कीमतों पर कोई नया निवेश अर्थक्षम नहीं है। प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों से संबद्ध सामानों के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।

ज. पाटन की मात्रा

60. प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि उपर्युक्त खंड-छ में निर्धारित किए गए अनुसार पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम स्तर से अधिक होने पर संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का पाटन काफी है।

छ.3.4 निष्कर्ष

61. उपरोक्त के आधार पर, निम्नलिखित को अनंतिम रूप से नोट किया जाता है -

- क. इस अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है।
 - ख. हालांकि जांच की अवधि में आयात की मात्रा में कमी आई है, लेकिन संबद्ध आयातों की मात्रा में पूर्ण दृष्टि से और भारतीय उत्पादन और खपत के संबंध क्षति की अवधि में देखे जाने पर, वृद्धि हुई है।
 - ग. मांग-आपूर्ति अंतर न होने और मांग में वृद्धि से अधिक दर पर होने के बावजूद आयात बढ़े हैं।
 - घ. जबकि क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है, संबद्ध आयात की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है।
 - ङ. संबद्ध आयातों से भारतीय उद्योग की कीमतों की कटौती हुई है।
 - च. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हुआ है।
 - छ. घरेलू उद्योग के उत्पादन और आपूर्ति में वृद्धि के बावजूद उसके पास उपयोग में न लाई गई क्षमताएं रही हैं।
 - ज. बाजार हिस्सेदारी में कमी के कारण घरेलू उद्योग की मालसूची जमा हो गई है।
 - झ. घरेलू उद्योग को भारी हानियां और नकद हानियां हुई हैं।
 - ञ. घरेलू उद्योग ने अपनी नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय दर्ज की।
 - ट. आयातों से पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है। संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी है।
62. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ.3.5 गैर-आरोपण विश्लेषण

63. प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से जांच की है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर किसी ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, ताकि ऐसे अन्य कारकों के कारण होने वाली किसी भी क्षति को पाटित आयातों के कारण जिम्मेदार न ठहराया जाए।
- क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य - संबद्ध आयात भारत में संबद्ध सामानों के आयात का लगभग संपूर्ण हिस्सा है। तीसरे देशों से आयात नगण्य है और घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचा सकते हैं।

- ख. मांग में संकुचन - क्षति की अवधि में संबद्ध सामानों की मांग बढ़ गई और जांच की अवधि में अधिकतम थी। अतः, घरेलू उद्योग को क्षति मांग में किसी संकुचन के कारण नहीं ठहराई जा सकती।
- ग. खपत के पैटर्न में परिवर्तन - घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने के लिए संबद्ध सामानों की खपत के पैटर्न में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है।
- घ. प्रतिस्पर्धा की शर्तें और व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां - प्रतिस्पर्धा की किसी भी ऐसी स्थिति या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं परिपाटियों का कोई साक्ष्य नहीं है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हों।
- ड. प्रौद्योगिकी में विकास - संबद्ध सामानों के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता हो।
- च. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन - ऊपर जाँची गई क्षति की सूचना केवल घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालनों से संबंधित है, जिसे इसके निर्यात प्रचालन से अलग कर दिया गया है। अतः, हुई क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- छ. उत्पादकता - घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई और इसलिए, घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा सकी।

छ.3.6 कारणात्मक संपर्क सिद्ध करने वाले कारक

- 64. जबकि पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है, प्राधिकारी अनंतिम रूप से नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड अनंतिम रूप से सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण हानियां नहीं हुई हैं:
 - क. संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का अत्यधिक पाटन है।
 - ख. घरेलू उद्योग में काफी बेकार क्षमता और देश में मांग-आपूर्ति के अंतर के बावजूद, क्षति की अवधि में संबद्ध आयात की मात्रा में निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों दृष्टि से काफी वृद्धि हुई।
 - ग. इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई जबकि क्षति की अवधि में संबद्ध आयात के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई।

- घ. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को काफी कम करते हैं और उन कीमतों पर हासमान और न्यूनीकरण प्रभाव था, जिससे घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री लागत से कम पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- ड. परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को काफी वित्तीय हानियां और नकद हानियां हुईं, और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय अर्जित हुई।
- च. यहां तक कि इसके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होने के बावजूद, घरेलू उद्योग की क्षमता का कम उपयोग किया गया और इसकी मालसूची काफी बढ़ गई।
65. प्राधिकारी, उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के बीच एक कारणात्मक संपर्क मौजूद है।

छ.3.7 क्षति मार्जिन की मात्रा

66. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत उत्पादन लागत से संबंधित सूचना/आंकड़े अपनाकर निर्धारित की गई है। क्षतिरहित कीमत निर्धारित करने के लिए क्षति की अवधि में कच्ची सामग्री और यूटिलिटीयों के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है और क्षति की अवधि में सर्वोत्तम क्षमता उपयोग अपनाया गया है; असाधारण और गैर-आवर्ती व्यय उत्पादन लागत से अलग किए गए हैं; और विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल अचल परिसंपत्तियां और औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित आय (कर-पूर्व 22%) कर-पूर्व लाभ के रूप में अनुमति दी गई है ताकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत निर्धारित किए गए अनुसार क्षतिरहित कीमत निकाली जा सके।
67. पहुंच कीमत और ऊपर निर्धारित क्षतिरहित कीमत के आधार पर, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के लिए क्षति मार्जिन, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया है, निम्नलिखित तालिका में दिया गया है। यह देखा जाता है कि क्षति मार्जिन सकारात्मक और काफी है।

विवरण	क्षति रहित कीमत*	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
-------	------------------	------------	---------------	---------------	---------------

	(यूएसडॉ./एमटी)	(यूएसडॉ./एमटी)	(यूएसडॉ./एमटी)	%	(रेंज)
संबद्ध देश से कोई उत्पादक	***	***	***	***	30-40

ज. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

ज 1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

68. किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है, और किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने भारतीय उद्योग के हित या पाटनरोधी शुल्क के आर्थिक प्रभाव के पहलू पर वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है।

ज.2 घरेलू उद्योग के विचार

69. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं -

- क. आवेदक देश में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और आत्मनिर्भर भारत का ध्वजवाहक है।
- ख. घरेलू उद्योग की अर्थक्षमता की रक्षा के लिए शुल्कों लगाना आवश्यक है।
- ग. निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने के लिए शुल्क लगाना आवश्यक है।
- घ. शुल्क लगाने से संबद्ध सामानों की आपूर्ति में कमी नहीं आएगी क्योंकि प्रयोक्ता घरेलू उद्योग से और उचित कीमत पर संबद्ध देश से खरीद कर सकते हैं।
- ड. शुल्क न लगाने से प्रयोक्ता निर्यात पर निर्भर हो जाएंगे जो निर्यातकों द्वारा उपयोग किए जाने के लिए सुभेद्य हो जाएंगे।
- च. शुरु में, कच्चे माल की आपूर्ति नियमित रूप से बाधित हो गई थी क्योंकि संबद्ध देश के आपूर्तिकर्ताओं ने अपनी घरेलू मांग को पूरा करने और कृत्रिम रूप से कीमतों को बढ़ाने के लिए संविदाओं पर चूक की। परिणामस्वरूप, आवेदक ने उत्पादों की निरंतर और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कच्चे माल के उत्पादन को स्वदेशी बनाने के प्रयास किए।

- छ. आवेदक भारत में 2,3 डाइमिथाइल-1-बुटेने और पैरासाइमीन के लिए अपस्ट्रीम उद्योग स्थापित करने में सफल रहा है, जो पहले मौजूद नहीं था।
- ज. ऊपरी उत्पादों (2,3 डाइमिथाइल- 1- बुटेने (डीएमबी-1)) और पैरासाइमीन (पी-साइमीन) के उत्पादन के लिए स्थापित सुविधाओं की अर्थ क्षमता की रक्षा के लिए शुल्क लगाना अनिवार्य है क्योंकि उनका उत्पादन सीधे संबद्ध सामानों के निष्पादन पर निर्भर है।
- झ. यदि शुल्क नहीं लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग के साथ-साथ ऊपरी स्तर के उद्योग द्वारा उत्पन्न कुल रोजगार खतरे में पड़ जाएगा।
- ञ. आवेदक के पास देश में पूरी मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है, और इस प्रकार, किसी भी मांग आपूर्ति अंतर के अभाव में आयात पूरी तरह से अनावश्यक है।
- ट. विचाराधीन उत्पाद अंतिम उत्पादों के लिए एक प्रमुख कच्चा माल या इनपुट नहीं है।
- ठ. इसका उपयोग बहुत कम मात्रा में सुगंधों के निर्माण के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग विभिन्न अंतिम उत्पादों के निर्माण में बहुत कम मात्रा में किया जाता है।
- ड. चूंकि अंतिम उत्पादों की कुल लागत में संबद्ध सामानों का बहुत कम हिस्सा होता है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण कीमत में किसी भी वृद्धि का अंतिम उत्पाद पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा।
- ढ. शुल्कों को लगाने से निचले स्तर के प्रयोक्ताओं की लागत में कोई अधिक वृद्धि नहीं होगी।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्राथमिक उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करना है, जिससे भारतीय बाजार में खुले और न्यायसंगत प्रतिस्पर्धा का माहौल बन सके। पाटनरोधी उपाय लगाना संबद्ध देश से आयात को मनमाने ढंग से कम करने के लिए नहीं बनाया गया है। बल्कि, यह एक समान अवसर सुनिश्चित करने का एक तंत्र है। प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता भारत में उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकती है। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय बाजार में निष्पक्ष

प्रतिस्पर्धा का सार इन उपायों के लागू होने से अप्रभावित रहेगा। प्रतिस्पर्धा को कम करने के बजाय, पाटनरोधी उपाय लगाना पाटन परिपाटियों के माध्यम से अनुचित लाभों के संचय को रोकने का काम करता है। यह संबद्ध सामानों के व्यापक चयन तक उपभोक्ताओं की पहुंच की रक्षा करता है। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क बाधा नहीं बल्कि उचित व्यापार परिपाटियों का एक सहायक है।

71. प्राधिकारी ने आयातकों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए, आजांच शुरुआत अधिसूचना जारी की। घरेलू उद्योग, उत्पादकों/निर्यातकों और आयातकों/प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं सहित विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान करने की अनुमति देने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी निर्धारित की गई थी, जिसमें उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्क का संभावित प्रभाव भी शामिल है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है या प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के आर्थिक प्रभाव पर कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है।
72. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि शुल्क लगाने का अंतिम निचले स्तर के उपभोक्ताओं पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार, यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद का उपयोग बहुत कम मात्रा में सुगंधों के निर्माण के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग आगे सुगंध, साबुन, डिटर्जेंट, धूपबत्ती, कपड़े को नरम करने वाले आदि जैसे अंतिम उत्पादों के निर्माण के लिए कम मात्रा में किया जाता है। आवेदक ने अनुरोध किया कि संबद्ध सामान सुगंध या डिओडोरेंट के लिए उपयोग की जाने वाली सुगंध की कुल लागत का 3% हैं। बदले में, सुगंध इत्र या डिओडोरेंट के निर्माण की कुल लागत का केवल 4% है। इसी प्रकार, संबद्ध सामान साबुन के लिए सुगंध बनाने के लिए कुल लागत का केवल 7% हैं, जो साबुन की लागत में केवल 1.2% हैं। अंतिम उत्पाद में उपयोग किए जाने वाले संबद्ध सामानों के नगण्य हिस्से को देखते हुए, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से अंतिम उपभोक्ताओं की लागतों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा, जो विभिन्न अंतिम उत्पादों के लिए 50 पैसे से अधिक नहीं होगा।

क्र.सं.	अनुप्रयोग	यूनिट	फार्मूला	सोप	डिटर्जेंट	शैंपू	फैब्रिक सॉफ़्नर	डिओडोरेंट	परफ्यूम
---------	-----------	-------	----------	-----	-----------	-------	--------------------	-----------	---------

1	डाउनस्ट्रीम उत्पादों में सुगंध का अनुपात	%	ए	1.20%	0.20%	0.80%	2%	4%	4%
2	अंतिम उत्पादों की सुगंध में विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा	%	बी	7%	7%	6%	6%	3%	3%
3	अंतिम उत्पादों का बाजार मूल्य	रु./किग्रा.	डी	344	2,380	2,170	374	900	11,040
4	विचाराधीन उत्पाद की पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	ई	1,044	1,044	1,044	1,044	1,044	1,044
5	बिना पाटनरोधी शुल्क के निचले स्तर के उत्पादों में विचाराधीन उत्पाद	रु./किग्रा.	एफ = ई * ए * बी	0.877	0.146	0.501	1.253	1.253	1.253
6	प्रस्तावित शुल्क	रु./किग्रा.	जी = ई * 40%	418	418	418	418	418	418
7	अंतिम उत्पादों में विचाराधीन उत्पाद की लागत में वृद्धि	रु./किग्रा.	एच = जी * ए * बी	0.35	0.06	0.20	0.50	0.50	0.50
8	अंतिम उत्पाद पर शुल्क का % प्रभाव	%	आई = एच/डी	0.10%	0.002%	0.01%	0.13%	0.06%	0.005%

73. यह नोट किया जाता है कि देश में कोई मांग-आपूर्ति अंतर नहीं है जिसके लिए देश में पाटित आयातों की आवश्यकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग के पास घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई काफी क्षमताएं हैं जो देश में पूरी वर्तमान और अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

झ. अनंतिम निष्कर्ष और सिफारिश

74. वर्तमान प्रारंभिक निष्कर्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमों के नियम 12 के तहत दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके अनुसार प्राधिकारी को जाँच की कार्यवाही शीघ्रता से आगे बढ़ानी होती है और, उपयुक्त मामलों में, निर्यात मूल्य, सामान्य मूल्य तथा डंपिंग मार्जिन के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्ष दर्ज करना होता है। इसके साथ-साथ घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में भी एक निष्कर्ष दर्ज किया जाना आवश्यक है, जिसमें उन तथ्यों और विधिक आधारों का पर्याप्त विवरण होना चाहिए, जिन पर ऐसे निष्कर्ष आधारित हैं, तथा उक्त निष्कर्षों को दर्ज करते हुए एक सार्वजनिक सूचना जारी की जानी होती है। इसमें निहित अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश, पाटनरोधी नियमों के नियम 13 को अधिनियम की धारा 9अ(2) के साथ पढ़े जाने के आधार पर की गई है। प्राधिकारी के समक्ष किए गए अनुरोधों, दी गई सूचना और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर, और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति और पाटन के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी अनंतिम रूप से निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं:

- क. यह आवेदन-पत्र केवा फ्रेगरेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जो भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है, कुल भारतीय उत्पादन का 100% है, और इस प्रकार पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है। इसके अलावा, आवेदन-पत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार की अपेक्षा को पूरा करता है।
- ख. विचाराधीन उत्पाद "1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल- 6,7 -डाइहाइड्रोनेथाफेन- 2-वाईएल) एथेनोन" है, और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान आयातित संबद्ध सामानों की समान वस्तु हैं।
- ग. किसी भी उत्पादक/निर्यातक, आयातक/प्रयोक्ता या अन्य हितबद्ध पक्षकार से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई, न ही कोई पीसीएन पद्धति प्रस्तावित की गई थी। तदनुसार, इस सतर पर कोई पीसीएन पद्धति नहीं अपनाई गई है।
- घ. संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने जांच का उत्तर नहीं दिया या बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया। तदनुसार, चीन के अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 के अनुसार, सामान्य मूल्य भारत में देय कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है, और निर्यात कीमत पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है।

- ड. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक, अत्यधिक और न्यूनतम स्तर से अधिक है।
 - च. घरेलू उद्योग के साथ किसी भी मांग-आपूर्ति अंतराल के न होने और काफी बेकार क्षमता के बावजूद, क्षति की अवधि में संबद्ध आयात में निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों दृष्टि से काफी वृद्धि हुई।
 - छ. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हुई है और उनकी ऐसी कीमतों पर हासमान प्रभाव पड़ा था।
 - ज. उत्पादन और बिक्री में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग की क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा निष्क्रिय रहा और इसकी मालसूची संचित हो गई।
 - झ. घरेलू उद्योग को अत्यधिक वित्तीय हानियां, नकद हानियां और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय हुई। विशेष रूप से, क्षति अवधि के प्रत्येक वर्ष में घरेलू उद्योग को नकद हानि हुई, जो वर्ष 2022-23 में ₹*** से बढ़कर जाँच अवधि में ₹*** लाख हो गई, अर्थात् इसमें दोगुने से भी अधिक की वृद्धि हुई।
 - ञ. आयात ने घरेलू उद्योग की आगे पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।
 - ट. किसी अन्य ज्ञात कारक ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है; घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों से हुई है।
 - ठ. पाटनरोधी शुल्क लगाना जनता के हित में है और इसका व्यापक रूप से जनता के हितों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
 - ड. शुल्क के लगाने से अंतिम उपभोक्ताओं की लागत में काफी वृद्धि नहीं होगी।
 - ढ. संबद्ध सामानों का उपयोग बहुत कम मात्रा में सुगंध बनाने के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग विभिन्न निचले स्तर के उत्पादों के निर्माण में भी कम मात्रा में किया जाता है।
 - ण. संबद्ध सामान अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए एक प्रमुख लागत नहीं बनाते।
 - प. देश में मांग आपूर्ति का कोई अंतर नहीं है, और भारतीय उद्योग के पास पूरी मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमताएं हैं।
75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच विधिवत शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया गया था और पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना देने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में जांच शुरू करने और जांच करने तथा उक्त नियमों के नियम 12 के अनुसार वर्तमान प्रारंभिक निष्कर्ष अभिलिखित किए जाने के पश्चात, प्राधिकरण का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति की भरपाई के लिए अनंतिम प्रतिपाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक है। अतः प्राधिकारी

अधिनियम की धारा 9क(2) के साथ पठित पाटनरोधी नियमों के नियम 13 के अनुसार, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आवश्यक समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं।

76. कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के कमतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित की जाने वाली अवधि के लिए निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम (7) में निर्धारित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत और सीमा शुल्क के लागू स्तर के तहत, सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3,3क,8ख,9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सीमा शुल्क विभाग द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार निर्धारणीय मूल्य होगा।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	प्रशुल्क शीर्ष/उपशीर्ष	सामानों का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	2914 3990	1-(3,5,5,6,8,8 - हेक्सामिथाइल- 6,7 - डाइहाइड्रोनेथ्रालेन- 2-वाईएल) एथेनोन*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	कोई	3,967	यूएसडॉ	एमटी
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण. को छोड़कर कोई देश	चीन जन.गण	कोई	3,967	यूएसडॉ	एमटी

*विचाराधीन उत्पाद 1-(3,5,5,6,8,8 -हेक्सामिथाइल- 6,7 -डाइहाइड्रोनेथ्रालेन- 2-वाईएल) एथेनोन में वर्णित है, जिसका सीएस नंबर 21145-77-7 और 1506-02-1 है, और विभिन्न ब्रांड नामों के तहत बेचा जाता है, जिनमें शामिल हैं, लेकिन सीमित नहीं हैं, टोनैलाइड, टोनैलिड, मस्कोफ़िक्स, गैनोलिड, फिक्सोलाइड, एएचटीएन, मस्क एएचएमटी, अल्ट्रामस्क, लैनोलिड, मस्क टेट्रालीन, डेर्नालाइड, मिथाइल नोनील एसीटोफेनोन, केवोलिड, टेन्टरॉम, टेट्रालाइड। उत्पाद का रासायनिक सूत्र सी1एच260 है।

ज. आगे की प्रक्रिया

77. इन प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा:

- क. प्राधिकारी इन जांच परिणामों के प्रकाशन से 30 दिनों के भीतर सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं, और जहां तक संगत माना जाए, अंतिम जांच परिणामों में उन पर विचार किया जाएगा।
- ख. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों को संबद्ध जांच के संगत अपने विचार देने के लिए अवसर प्रदान करने हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार मौखिक सुनवाई आयोजित करेंगे। मौखिक सुनवाई की तारीख डीजीटीआर की वेबसाइट (www.dgtr.gov.in) पर प्रकाशित की जाएगी।
- ग. प्राधिकारी आगे आवश्यक मानी गई सीमा तक, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन करेंगे।
- घ. प्राधिकारी संबद्ध जांच में अंतिम जांच परिणाम जारी करने से पूर्व पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

Digitally signed by
Amitabh Kumar
Date: 23-09-2026
16:59:42

(अमिताभ कुमार)

निर्दिष्ट प्राधिकारी